

# मेक्सिको में GMO मक्का पर प्रतिबंध

यह ई-बुक मेक्सिको के जीएमओ प्रतिबंध की जांच करती है, तथा जीएमओ को धीरे-धीरे लागू करने के रणनीतिक दृष्टिकोण के साक्ष्य को उजागर करती है, जो अन्य देशों में देखे गए पैटर्न को प्रतिबिम्बित करता है, तथा अक्सर जनता के विरोध को दरकिनार करने के लिए "विज्ञान का अनुसरण" करने की बयानबाजी का प्रयोग करता है।

16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित



जीएमओ बहस  
यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

## सामग्री तालिका (टीओसी)

1. 🌽 मेक्सिको में GMO पर प्रतिबंध
  - 1.1. 🌽 भ्रष्टाचार और रणनीतिक धोखे का एक केस स्टडी
2. वर्तमान प्रतिबंध: एक रणनीतिक धोखा?
3. धोखे का एक वैश्विक पैटर्न
4. निष्कर्ष






डॉ. इग्नासियो चैपेला अपनी कक्षा में।

“अनैतिक जीएमओ 🌽 मक्का” चैपेला मामला

# मेक्सिको में GMO पर प्रतिबंध


## भ्रष्टाचार और रणनीतिक धोखे का एक केस स्टडी

दिसंबर 2020 में, मैक्सिकन राष्ट्रपति **Andrés Manuel López Obrador** ने 2024 तक आनुवंशिक रूप से संशोधित मकई पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए, जिससे  संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक महत्वपूर्ण व्यापार विवाद छिड़ गया। हालाँकि, मेक्सिको की GMO नीतियों और इतिहास की नज़दीकी जाँच से भ्रष्टाचार और रणनीतिक पैतरेबाज़ी का एक जटिल जाल सामने आता है जो इस प्रतिबंध के पीछे के वास्तविक उद्देश्यों पर सवाल उठाता है।

मौजूदा स्थिति को समझने के लिए, हमें सबसे पहले 2000 के दशक की शुरुआत और मैक्सिकन प्रोफेसर और जीएमओ वैज्ञानिक **डॉ Ignacio Chapela** के मामले को देखना होगा। “*चैपला मामला*” जीएमओ नीति में मैक्सिको के स्पष्ट बदलाव के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ प्रदान करता है।

2001 में, डॉ Chapela और उनकी शोध टीम ने Nature में निष्कर्ष प्रकाशित किए, जिसमें दिखाया गया कि GMO मकई ने देशी मैक्सिकन मक्का को दूषित कर दिया था। इसके बाद डॉ Chapela के शोध को बदनाम करने के लिए धमकियों, डराने-धमकाने और प्रयासों का एक समन्वित अभियान चलाया गया।


डॉ Chapela के काम के प्रति मैक्सिकन सरकार की प्रतिक्रिया से देश में GMO अपनाने को लागू करने के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का पता चलता है। [GMWatch.org](http://GMWatch.org) द्वारा रिपोर्ट की गई:

आधिकारिक जैव सुरक्षा आयुक्त उसे एक खाली कार्यालय कक्ष में ले गए जहाँ उसे बताया गया कि वह “वास्तव में एक गंभीर समस्या पैदा कर रहा है, जिसके लिए उसे भुगतान करना होगा। जीएमओ फसलों का विकास कुछ ऐसा था जो  मेक्सिको और अन्य जगहों पर होने वाला था।”

डॉ Chapela: ‘तो अब आप रिवॉल्वर निकाल कर मुझे मारने वाले हैं या कुछ और करने वाले हैं, क्या हो रहा है?’

डॉ Chapela को “GMO के बारे में दुनिया को जानकारी देने” के लिए मोनसेंटो और ड्यूपॉन्ट के प्रतिनिधियों सहित एक गुप्त वैज्ञानिक टीम में जगह देने की पेशकश की गई थी। जब उन्होंने इनकार कर दिया, तो धमकियाँ बढ़ गईं:

“वह मेरे परिवार का ज़िक्र करता है”, डॉ Chapela याद करता है। “वह मेरे परिवार को जानने और मेरे परिवार तक पहुँचने के तरीकों का ज़िक्र करता है। यह बहुत घटिया था। मैं डरा हुआ था। मुझे डर लगा और मुझे निश्चित रूप से धमकी महसूस हुई।”

यह घटना दर्शाती है कि अधिकारी जीएमओ की आलोचना करने वाले अनुसंधान को दबाने और  मेक्सिको में उन्हें अपनाने के लिए मजबूर करने के लिए किस हद तक जाने को तैयार थे।

## वर्तमान प्रतिबंध: एक रणनीतिक धोखा?


**जी** एमओ के पक्ष में भ्रष्टाचार और बलपूर्वक हथकंडों के इतिहास को देखते हुए, मानव उपभोग के लिए आनुवंशिक रूप से संशोधित मकई पर मेक्सिको के वर्तमान प्रतिबंध की जांच की आवश्यकता है। कई कारक बताते हैं कि यह प्रतिबंध अंततः जीएमओ को अधिक व्यापक रूप से पेश करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है:


- ▶ **चयनात्मक प्रतिबंध:** जबकि मेक्सिको ने मानव उपभोग के लिए GMO मक्का पर प्रतिबंध लगा दिया है, यह पशुओं को GMO मक्का खिलाना जारी रखता है। यह बाजार मक्का की खपत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा दर्शाता है, मेक्सिको के अमेरिका से आयातित मक्का का 79% पशु आहार के लिए GMO मक्का है।
- ▶ **“विज्ञान की बयानबाजी का अनुसरण”** : अमेरिकी आरोपों के खिलाफ अपने सार्वजनिक बचाव में, मेक्सिको “विज्ञान का अनुसरण करने” का दावा करता है। यह भाषा अन्य देशों में देखी जाने वाली रणनीतियों को दर्शाती है जहाँ GMOs को पहले पशु आहार के लिए पेश किया जाता है, एक दशक तक परीक्षण किया जाता है, और फिर विज्ञान द्वारा ‘सुरक्षित साबित होने’ पर मानव उपभोग के लिए अनुमोदित किया जाता है, अक्सर नए नामों जैसे “न्यू जीनोमिक तकनीक” (NGTs), “सटीक प्रजनन” या “GMO 2.0” के तहत।
- ▶ **ऐतिहासिक संदर्भ:** डॉ Chapelra के खिलाफ धमकियाँ और धमकी मौजूदा GMO प्रतिबंध से सिर्फ एक दशक पहले तक जारी रही। मेक्सिको में GMO अपनाने को लागू करने के लिए तीव्र प्रतिबद्धता का यह हालिया इतिहास मौजूदा प्रतिबंध की ईमानदारी पर सवाल उठाता है।
- ▶ **संगति का अभाव:** यदि चिंता वास्तव में GMOs की सुरक्षा या पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में है, तो मानव उपभोग के लिए GMOs पर प्रतिबंध लगाने तथा पशु आहार के लिए उन्हें अनुमति देने के बीच विसंगति में तार्किक संगति का अभाव है।

## धोखे का एक वैश्विक पैटर्न


**मे**क्सिको का दृष्टिकोण यूरोप और अफ्रीका दोनों में अन्य देशों में अपनाई गई रणनीतियों से काफी मिलता-जुलता है। पैटर्न आमतौर पर इस प्रकार सामने आता है:

- ▶ मानव उपभोग के लिए GMO पर प्रतिबंध लगाकर सार्वजनिक और नैतिक चिंताओं को पूरा करना, जबकि पशुओं को GMO खिलाना जारी रखना।
- ▶ “परीक्षण” और अनुकूलन की एक दशक लम्बी अवधि, जबकि मनुष्य पहले से ही अप्रत्यक्ष रूप से GMO-पोषित पशुओं के माध्यम से GMO-दूषित खाद्य पदार्थ का उपभोग कर रहा है।
- ▶ विज्ञान एक नए प्रकार के जीएमओ को ‘सुरक्षित’ घोषित करता है और लोगों पर ‘विज्ञान का अनुसरण करने’ का दबाव डाला जाता है।

 यू.के. में, जहाँ सार्वजनिक जी.एम.ओ. का विरोध बहुत ज़ोरदार था, यह पता चला कि देश में 80%%मांस पहले से ही जी.एम.ओ. पशु आहार से दूषित था, इससे पहले कि ‘नए जी.एम.ओ.’ (सटीक प्रजनन) को विनियमित करने के प्रयास किए जाते। यू.के. सरकार अब विनियमन की दिशा में कदम को “विज्ञान के अनुसरण” के रूप में देख रही है, जबकि सार्वजनिक परामर्श के लिए 85%%प्रतिक्रियाएँ विनियमन के विरुद्ध थीं।

 इटली एक और शानदार उदाहरण प्रस्तुत करता है। जबकि देश ने गहन जनभावना के आधार पर जीएमओ पर प्रतिबंध लगाया, जीएमओ पशु आहार और जीएमओ उर्वरकों का उसका व्यापक उपयोग इतना व्यापक था कि लोम्बार्डिया और पो-वेनेटो जैसे क्षेत्रों में सतही पेयजल जीएमओ उर्वरक से अत्यधिक प्रदूषित हो गया। यह एक रणनीतिक इरादे को दर्शाता है: जीएमओ के खिलाफ नैतिक विचारों को सार्वजनिक रूप से ध्यान में रखते हुए, इटली दशकों से बड़े पैमाने पर जानवरों को चुपचाप जीएमओ खिला रहा है।

## निष्कर्ष

मेक्सिको के जीएमओ प्रतिबंध की जांच जब डॉ Chapelra के साथ इसके इतिहास और पशु आहार के लिए जीएमओ मकई की अनुमति देने वाली इसकी असंगत नीतियों के संदर्भ में की जाती है, तो ऐसा लगता है कि यह  मेक्सिको में जीएमओ को अधिक व्यापक रूप से पेश करने की रणनीतिक दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। अगर चिंता वास्तव में सुरक्षा या पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में है, तो मानव उपभोग के लिए जीएमओ पर प्रतिबंध लगाने और पशु आहार के लिए उन्हें अनुमति देने के बीच विसंगति में तार्किक स्थिरता का अभाव है।

मेक्सिको द्वारा अमेरिका के आरोपों के खिलाफ अपने सार्वजनिक बचाव में इस्तेमाल की गई “*विज्ञान का अनुसरण करने की*” बयानबाजी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अन्य देशों में देखी जाने वाली रणनीति यहाँ भी काम कर रही है। यह भाषा अन्य जगहों पर देखे जाने वाले दृष्टिकोणों को प्रतिबिंबित करती है, जहाँ जीएमओ को पहले पशु आहार के लिए पेश किया जाता है, एक दशक तक परीक्षण किया जाता है, और फिर विज्ञान द्वारा “*सुरक्षित साबित होने*” पर मानव उपभोग के लिए अनुमोदित किया जाता है, अक्सर “*नए जीनोमिक तकनीक*” (एनजीटी), “*सटीक प्रजनन*” या “*जीएमओ 2.0*” जैसे नए नामों के तहत।

अनेक देशों में देखी जा रही धोखाधड़ी की यह प्रवृत्ति, कृषि नीति निर्णयों की सत्यनिष्ठा तथा GMO प्रौद्योगिकी में बड़े पैमाने पर वित्तीय हितों द्वारा प्रेरित भ्रष्टाचार की संभावना के बारे में गंभीर चिंताएं उत्पन्न करती है।

यहाँ [GMWatch.org](http://GMWatch.org) पर “*चैपला मामले*” का एक अंश दिया गया है:

'मैं किसी भी तरह से शहीद नहीं होना चाहता, लेकिन मैं अब यह महसूस करने से नहीं बच सकता कि यह हमारे जीएमओ अनुसंधान को बदनाम करने के लिए एक बहुत, बहुत अच्छी तरह से संगठित और समन्वित और भुगतान अभियान है।' डॉ इग्नासियो चापेला



वह [सरकारी अधिकारी] मेरे परिवार को जानने और मेरे परिवार तक पहुंचने के तरीकों का संदर्भ देता है। यह बहुत सस्ता था। मैं डर गया। मैं भयभीत महसूस कर रहा था और मुझे निश्चित रूप से खतरा महसूस हो रहा था।

आधिकारिक जैव सुरक्षा आयुक्त उसे एक खाली कार्यालय कक्ष में ले गए जहां उसे बताया गया कि वह 'वास्तव में गंभीर समस्या पैदा कर रहा है, जिसके लिए वह भुगतान करने जा रहा है। जीएमओ फसलों का विकास कुछ ऐसा था जो मैक्सिको और अन्य जगहों पर होने वाला था।'

डॉ चापेला ने उत्तर दिया: 'तो अब आप एक रिवाल्वर निकालकर मुझे मारने जा रहे हैं या कुछ और, क्या चल रहा है?'। तब जैव सुरक्षा अधिकारी ने डॉ. चापेला को एक सौदे की पेशकश की: वे शीर्ष वैज्ञानिकों की एक गुप्त वैज्ञानिक टीम का हिस्सा बन सकते हैं जिसने जीएमओ के बारे में दुनिया को सूचित किया। वह कैलिफोर्निया के बाजा में अपनी टीम के सदस्यों से मिल सकते थे। मोनसेंटो के दो वैज्ञानिक और ड्यूपॉन्ट के दो वैज्ञानिक।

डॉ. चापेला ने इनकार कर दिया: 'ठीक है, यह मेरे काम करने का तरीका नहीं है, और समस्या मैं नहीं था, और समस्या जीएमओ है'। फिर घटनाओं ने बहुत भयावह मोड़ ले लिया। 'वह मेरे परिवार का पालन-पोषण करता है', डॉ. चापेला याद करते हैं। 'वह मेरे परिवार को जानने और मेरे परिवार तक पहुंचने के तरीकों का संदर्भ देता है। यह बहुत सस्ता था। मैं डर गया। मैं डरा हुआ महसूस कर रहा था और मुझे निश्चित रूप से खतरा महसूस हुआ। मुझे नहीं पता कि उसका यह मतलब था या नहीं, लेकिन यह इतना बुरा था कि मुझे लगा कि "मुझे यहां क्यों रहना चाहिए, यह सब सुनकर मुझे चले जाना चाहिए।"

डॉ. चापेला के खिलाफ धमकियां तेज हो गईं, जिन्हें एक कृषि अवर सचिव से एक पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें कहा गया था कि सरकार को उनके जीएमओ शोध से 'परिणामों को उजागर किया जा सकता है' के बारे में 'गंभीर चिंता' थी। इसके अलावा, सरकार 'कृषि या अर्थव्यवस्था को सामान्य रूप से इस प्रकाशन की सामग्री के कारण होने वाले किसी भी नुकसान की भरपाई के लिए आवश्यक कदम उठाएगी'

डॉ. चापेला का मानना है कि यह दृष्टिकोण आश्चर्यजनक नहीं था, क्योंकि कृषि मंत्रालय स्वयं 'हितों के टकराव' से जूझ रहा है। ड्यूपॉन्ट, सिंजेंटो और मोनसेंटो के प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं।

ठीक दो महीने बाद, डॉ. चापेला की टीम ने नेचर में अपना जीएमओ शोध प्रकाशित किया।

## (2009) अनैतिक मक्का - चापेला प्रसंग का लेखा जोखा

यह मैक्सिकन मक्का घोटाले और मोनसेंटो और उसके समर्थकों द्वारा बर्कले के शोधकर्ताओं, डेविड क्विस्ट और इग्नासियो चापेला को बदनाम करने के अभियान का सबसे अच्छा खाता है।

स्रोत: GMWatch.org (पीडीएफ बैकअप)

16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित



जीएमओ बहस  
यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

© 2024 Philosophical.Ventures Inc.